# खाटू वाला श्यामधणी से हेत

*( तर्ज : हरियाणवी )*

***खाटू वाला श्यामधणी स हेत पुराणा स***
***ओ दर्जी सीम दे निशान, मन्नै खाटू जाणा से***

कितनो मीटर कपड़ो ल्याऊँ, कुणसो ल्याऊँ रंग
लहरावै जद आसमान मं, दुनिया होज्यावे दंग
बोल दर्जी बोल मन्नै, के के ल्याणा स
ओ दर्जी सीम ....

लाम्बी लाम्बी लाठी मांही, बाबा को निशान
बिन बोल्या ही समझै दुनिया, कर दे एक पिछाण
झण्डे ऊपर मन्नै **'जय श्री श्याम'** लिखाणा स
ओ दर्जी सीम ....

हाथ जोड़कर बोलूँ दर्जी, दिखा तेरी चतुराई
'बनवारी' जो भी मांगेगो, दूँगा तनै सिमाई
आयो फाल्गुन मेलो, मन्नै श्याम रिझाणा स
ओ दर्जी सीम ....

मेरे मन मं प्रेम जाग ग्यो, मैं भी खाटू जाऊँ
घर का नै सागै लेजाकर, एक निशान चढ़ाऊँ
श्याम धणी स मन्नै भी, एक काम पटाणा स
ओ सेवक ले ले तेरे साथ, मन्नै खाटू जाणा स